राजद समाचार

आजादी, समानता और भाईचारा

अंक-33 मासिक अप्रैल, 2024 सहयोग राशि 40 रुपये

इस बार

राजद का घोषणा पत्र	03
सामयिक-वैचारिक मुद्दे	
केवल झूठ का प्रॉपगैंडा चलाया जा रहा है- तेजस्वी प्रसाद यादव	05
बिहार में इंडिया अलायंस के लोकसभा उम्मीदवारों की सूची	06
बिहार में होगा एन.डी.ए का बेड़ा गर्क- डॉ. दिनेश पाल	07
क्यों हिला हुआ है मोदी का आत्मविश्वास- उत्तम सेनगुप्ता	09
आलमी जंग के मुहाने पर दुनिया- डॉ. सलमान अरशद	10
...धर्मग्रंथों का बहुजन-विरोधी नजरिया- ओमप्रकाश कश्यप	12
साम्प्रदायिकता का सियासी कहर	
राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ-भाजपा और राष्ट्रवाद- बिपन चंद्र	16
साम्प्रदायिकता की चुनौती- ईश्वरी प्रसाद	20
राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की असलियत- शम्सुल इस्लाम	25
धर्म के राजनीतिक इस्तेमाल के मायने- सौरभ कुमार	34
मनु की स्मृति में लीन गुरु गोलवलकर- ओपी जायसवाल	36
कवि का पन्ना	
30 जनवरी- श्रीधर करुणानिधि	40

सम्पादक
अरुण आनंद
सहयोग
कवि जी/ डॉ. दिनेश पाल/ साकिब अशरफी
जगदानन्द सिंह
प्रदेश अध्यक्ष, राष्ट्रीय जनता दल, वीरचन्द पटेल पथ,
पटना-01 द्वारा प्रकाशित एवं वितरित

राजद समाचार की ईमेंल आईडी
samacharrjd@gmail.com

चुनाव अभियान के जोर पकड़ते ही एन.डी.ए मॉडल ध्वंस की ओर

आज पूरा देश लोकसभा चुनाव 2024 की तैयारियों में मशगूल है। भारत सहित दुनिया भर की निगाहें इस चुनाव के परिणाम पर टिकी है। ज्यादतर राजनीतिक पर्यवेक्षक यह मान चुके हैं कि अगर भारत की केंद्रीय कमान फिर भाजपा के हाथों आ गई तो न लोकतंत्र बचेगा, न उसका रक्षक संविधान। यह अकारण नहीं कि लालू प्रसाद, राहुल गांधी और तेजस्वी प्रसाद यादव के चुनाव प्रचार में रोजगार और महंगाई के अलावे संविधान की सुरक्षा का मुद्दा बहुत प्रमुखता से उठाये जा रहे हैं।

इन स्थितियों में, देश के प्रबुद्ध नागरिकों से हमारा अनुरोध है कि वे अपने समय की इस दुरभिसंधि को समझें और अपने मतों का बहुत सोच-समझकर इस्तेमाल करें ताकि कल को हमें यह अफसोस न रह जाए कि हमने अपने दायित्वबोध का समय रहते उचित इस्तेमाल क्यों नहीं किया? तीसरे चरण के मतदान आते-आते भाजपा के चार सौ पार के खयाली पुलाव की पूरी तरह से हवा निकल चुकी है। एन.डी.ए गठबंधन पर इंडिया महागठबंधन हर मामले में भारी पड़ रहा है। इन वर्षों में एन.डी.ए गठबंधन का रोजगार और महंगाई के मोर्चे पर बहुत खराब प्रदर्शन रहा है। बहुत तेजी से सरकारी सेक्टर में आउटसोर्सिंग को बढ़ावा दिया गया, और रोजगार सृजन को पूरी तरह से बंद कर दिया गया। सेना जैसे संवेदनशील क्षेत्र में भी अग्निवीर जैसी योजनाएं कार्यान्वित की गईं। आज देश भर की जनता की ओर से यह सवाल उठाये जा रहे हैं और भाजपा की एक नहीं चल रही। यहां एन.डी.ए बुरी तरह फंसी हुई है। अपने 10 वर्षों के शासनकाल में न वह रोजगार सृजन कर पाई, न देश विकास के लिए कोई ठोस काम किया गया, उल्टे नोटबंदी के नाम पर देश में भयंकर बेराजगारी का अम्बार खड़ा किया गया, जिसकी जद में देश में बेरोजगारों का एक विराट हुजूम हाहाकार कर रहा है। कोरोना त्रासदी में भारत सरकार की लापरवाही के कारण करीब 40 लाख लोगों ने मौत का जो तांडव देखा, अभी भी वह उनके जेहन से गया नहीं है। अभी हाल में भारत में निर्मित कोविडशील्ड टीके के बारे में बड़ा खुलासा हुआ है कि इसे लेने वालों में हार्टस्ट्रोक और ब्रेनहैम्रेज के खतरे हैं। इसे ईजाद करनेवाली ब्रिटिश कंपनी एस्ट्राजेनेका ने ब्रिटेन की एक अदालत में दिए गए हलफनामे में यह बात स्वीकार की है। उल्लेखनीय है कि एस्ट्राजेनेका के ही टीके का भारत में उत्पादन अदार पूनावाला की कंपनी सीरम ने कोविडशील्ड नाम से की और भारत में इसके करीब 170 करोड़ टीके लोगों को लगाए जा चुके हैं।